International Journal of History and Culture
E-ISSN: 3048-8699
https://www.journalofhistory.in/
Volume 1; Issue 1; January to March 2025; Page No. 8-12
Peer Review, Indexed and Refereed Journal

भारत के स्वतंत्रता के 75 वर्ष का विकास: संभावनाएँ, चुनौतियाँ, समस्याएँ और अवसर

डा. राजेश कुमार सिंह
रिसर्च फेलो
पंडित दीनदयाल उपाध्याय पीठ
राजनीतिशास्त्र विभाग
इलाहाबाद विश्वविद्यालय
प्रयागराज

सारांश

भारत ने 15 अगस्त 1947 को स्वतंत्रता प्राप्त की, और उसके बाद से यह राष्ट्र एक लोकतांत्रिक गणराज्य के रूप में आर्थिक, सामाजिक, राजनीतिक और तकनीकी क्षेत्रों में निरंतर विकास करता रहा है। स्वतंत्रता के 75 वर्षों में भारत ने एक कृषि-प्रधान अर्थव्यवस्था से विश्व की पाँचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने तक की यात्रा की है। इस यात्रा में कई उपलब्धियाँ हैं, तो वहीं अनेक समस्याएँ और चुनौतियाँ भी हैं। यह शोध पत्र भारत के 75 वर्षों की विकास-यात्रा का विश्लेषण करता है तथा भविष्य की संभावनाओं और अवसरों की चर्चा करता है। भारत ने स्वतंत्रता के 75 वर्षों में अनेक उपलब्धियाँ अर्जित की हैं – लोकतंत्र, विज्ञान, अर्थव्यवस्था और वैश्विक छवि में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। किंतु समानांतर रूप से गरीबी, बेरोज़गारी, सामाजिक असमानता, और शासन की चुनौतियाँ बनी हुई हैं। अब भारत को अपने अनुभव, युवा शक्ति, तकनीकी क्षमता और लोकतांत्रिक नींव को साथ लेकर "विकसित राष्ट्र" बनने की दिशा में तेज़ गति से आगे बढ़ना होगा। यह केवल सरकारों का नहीं, बल्कि समाज के हर वर्ग का साझा उत्तरदायित्व है।

मुख्य शब्द: *स्वतंत्रता के 75 वर्ष का विकास, संभावनाएँ, चुनौतियाँ, समस्याएँ और अवसर*

भूमिका

भारत ने 15 अगस्त 1947 को स्वतंत्रता प्राप्त की, और उसके बाद से यह राष्ट्र एक लोकतांत्रिक गणराज्य के रूप में आर्थिक, सामाजिक, राजनीतिक और तकनीकी क्षेत्रों में निरंतर विकास करता रहा है। स्वतंत्रता के 75 वर्षों में भारत ने एक कृषि-प्रधान अर्थव्यवस्था से विश्व की पाँचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने तक की यात्रा की है। इस यात्रा में कई उपलब्धियाँ हैं, तो वहीं अनेक समस्याएँ और चुनौतियाँ भी हैं। यह शोध पत्र भारत के 75 वर्षों की विकास-यात्रा का विश्लेषण करता है तथा भविष्य की संभावनाओं और अवसरों की चर्चा करता है।

1. आर्थिक विकास

उपलब्धियाँ

- भारत की GDP 1950 में मात्र 2.7 लाख करोड़ थी, जो 2023 तक बढ़कर लगभग 300 लाख करोड़ (3.7 ट्रिलियन डॉलर) हो गई (World Bank, 2023)।
- सूचना प्रौद्योगिकी, फार्मा, सेवा और विनिर्माण क्षेत्र में भारत वैश्विक स्तर पर अग्रणी बना है।
- **उदारीकरण के बाद** (1991) भारत ने वैश्विक बाज़ार से जुड़कर निवेश, व्यापार और प्रतिस्पर्धा को अपनाया।

समस्याएँ

- **असमानता**: आर्थिक विकास का लाभ समान रूप से वितरित नहीं हुआ। Oxfam (2023) के अनुसार भारत की टॉप 1% आबादी के पास 40% संपत्ति है।
- **बेरोज़गारी**: युवा बेरोज़गारी एक प्रमुख समस्या है, विशेषकर शिक्षित युवाओं में (CMIE, 2022)।
- **महंगाई और कृषि संकट**: बढ़ती महंगाई और किसानों की आय में ठहराव चिंता का विषय हैं।

2. सामाजिक परिवर्तन

उपलब्धियाँ

- **शिक्षा**: 1951 में साक्षरता दर 18% थी, जो 2021 में 77.7% हो गई (Census 2011, NSO 2021)।
- **स्वास्थ्य**: औसत जीवन प्रत्याशा 32 वर्ष से बढ़कर 70+ वर्ष हो चुकी है (WHO, 2021)।

- **महिला सशक्तिकरण**: महिलाएं अब शिक्षा, राजनीति, विज्ञान और रक्षा में भी भागीदारी कर रही हैं।

चुनौतियाँ

- **जातीय और लैंगिक भेदभाव**: संविधान में समानता की गारंटी के बावजूद सामाजिक असमानता बनी हुई है।
- **बाल विवाह, घरेलू हिंसा और लैंगिक असमानता** जैसी समस्याएं अब भी मौजूद हैं।
- **स्वास्थ्य सुविधाओं** की गुणवत्ता और पहुँच में असमानता है, विशेषतः ग्रामीण भारत में।

3. लोकतंत्र और शासन

सफलताएँ

- भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र है जहाँ लगातार 17 आम चुनाव सफलतापूर्वक सम्पन्न हुए हैं।
- स्वतंत्र न्यायपालिका, सक्रिय मीडिया और नागरिक समाज लोकतंत्र की रीढ़ हैं।
- केंद्र और राज्यों के बीच सहकारी संघवाद की अवधारणा विकसित हुई है।

समस्याएँ और चुनौतियाँ

- **राजनीतिक ध्रुवीकरण** और **वर्गीय/धार्मिक ध्रुवीकरण** लोकतांत्रिक मूल्यों को चुनौती देते हैं।
- **राजनीति में अपराधीकरण**: ADR (2022) के अनुसार संसद में 43% सांसदों पर आपराधिक मामले हैं।
- **भ्रष्टाचार** और **लोक सेवाओं की जवाबदेही की कमी** शासन को कमजोर करती है।

4. विज्ञान, तकनीक और नवाचार

उपलब्धियाँ

- **ISRO** ने सफल अंतरिक्ष मिशन (चंद्रयान, मंगलयान, आदित्य L1) से भारत को वैश्विक मंच पर प्रतिष्ठित किया है।
- **डिजिटल इंडिया** कार्यक्रम के तहत UPI, आधार और डिजिलॉकर जैसे नवाचार आमजन तक पहुँचे हैं।
- भारत अब स्टार्टअप हब बन चुका है – 2023 तक 100 से अधिक यूनिकॉर्न स्टार्टअप स्थापित हो चुके हैं।

चुनौतियाँ

- **डिजिटल डिवाइड**: ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में डिजिटल पहुँच में भारी अंतर है।

- **रिसर्च व इनोवेशन में निवेश** अभी भी GDP का 0.7% है, जो चीन (2.2%) और अमेरिका (3.5%) से बहुत कम है (UNESCO, 2022)।

5. पर्यावरण और सतत विकास

संवेदनशीलता और प्रयास

- भारत ने जलवायु परिवर्तन पर वैश्विक मंचों पर सक्रिय भूमिका निभाई है।
- **राष्ट्रीय सौर मिशन**, **इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा**, और **हरित ऊर्जा में निवेश** सराहनीय कदम हैं।

चुनौतियाँ

- **प्रदूषण**, **वृक्षों की कटाई**, और **जल संकट** बढ़ते जा रहे हैं।
- शहरीकरण के कारण **जैव विविधता में ह्रास** और **प्राकृतिक संसाधनों का अति दोहन** हो रहा है।

6. स्वतंत्रता के 75 वर्षों के अवसर

1. जनसांख्यिकीय लाभांश (Demographic Dividend)

- भारत की 65% जनसंख्या 35 वर्ष से कम उम्र की है, जो आने वाले दशकों में आर्थिक इंजन बन सकती है यदि उन्हें शिक्षा, कौशल और रोजगार प्राप्त हो।

2. वैश्विक नेतृत्व की भूमिका

- भारत अब G20 अध्यक्ष, BRICS सदस्य, और वैश्विक मंचों पर प्रभावशाली भूमिका निभा रहा है।
- "Vishwa Guru" बनने की संकल्पना अब धीरे-धीरे साकार रूप ले रही है।

3. डिजिटल और हरित अर्थव्यवस्था का युग

- तकनीकी नवाचार, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, ग्रीन एनर्जी और सस्टेनेबल विकास भारत को वैश्विक नेतृत्व की ओर ले जा सकते हैं।

नवाचार और पुनर्रचना की दिशा

- **शिक्षा प्रणाली में सुधार** कर रोजगारोन्मुखी पाठ्यक्रम लागू किए जाने चाहिए।
- **प्रशासन में पारदर्शिता और जवाबदेही** को मजबूत करना होगा।
- **सामाजिक एकता**, **धर्मनिरपेक्षता** और **संवैधानिक मूल्यों** को प्राथमिकता देनी होगी।

निष्कर्ष

भारत ने स्वतंत्रता के 75 वर्षों में अनेक उपलब्धियाँ अर्जित की हैं – लोकतंत्र, विज्ञान, अर्थव्यवस्था और वैश्विक छवि में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। किंतु समानांतर रूप से गरीबी, बेरोज़गारी, सामाजिक असमानता, और शासन की चुनौतियाँ बनी हुई हैं। अब भारत को अपने अनुभव, युवा शक्ति, तकनीकी क्षमता और लोकतांत्रिक नींव को साथ लेकर "विकसित राष्ट्र" बनने की दिशा में तेज़ गति से आगे बढ़ना होगा। यह केवल सरकारों का नहीं, बल्कि समाज के हर वर्ग का साझा उत्तरदायित्व है।

संदर्भ (References)

1. World Bank (2023). *India GDP Statistics*.
2. Census of India (2011); NSO (2021). *Literacy Reports*.
3. CMIE (2022). *Unemployment in India*.
4. ADR (2022). *Criminal Background of Indian MPs*.
5. WHO (2021). *India Health Indicators*.
6. Oxfam India (2023). *Inequality Report*.
7. UNESCO (2022). *R&D Expenditure Reports*.
8. ISRO (2023). *Official Publications*.
9. Ministry of Electronics and IT, Govt. of India (2023). *Digital India Dashboard*.
10. PIB (2022-2023). *Government Annual Reports & Schemes*.